LOK SABHA

Tuesday, July 23, 1968/Sravana 1, 1890 (SAKA)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

MEMBER SWORN

SHRI BINDHESHWARI PRASAD MANDAL (Madhipura—Bihar):

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Royalty payment on coal and iron ore to Bihar

*31. SHRI SHIVA CHANDRA JHA: Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in the National Development Council meeting held in New Delhi in May, 1968, the Chief Minister of Bihar urged upon the Central Government for an increase in the payment of royalty on coal and iron ore to Bihar;

(b) if so, the response of Government to it; and

(c) the royalty presently paid to Bihar vis-a-vis the Bihar's percentage of the total minerals available in the country?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI RAM SEWAK): (a) and (b). The question raised in the meeting was of a general nature. The rates of royalty on major minerals, with the exception of coal and iron ore, have recently been revised. The revision of royalty on coal and iron ore in still under consideration.

(c) The royalty earning of Bihar during 1966 was Rs, 5,33,35,165. The important minerals produced in Bihar represent varying percentages of the total production in the country. However, Bihar accounted for thirtyseven percent in total value of major minerals produced in India during 1967 against thirty-eight percent during 1966.

श्री शिव चन्द्र झा : अध्यक्ष महोदय कदम कदम पर बिहार की घोर उपेक्षा हो रही है । आप जानते हैं कि बिहार हिन्दुस्तान में वह राज्य है, जिस में कुदरत की दौलत है, जिस की मिट्टी में जाफरान है और जिस के पास जन-शक्ति है । इस के बावजूद केन्द्रीय सरकार के निकम्मेपन और उस की उपेक्षा की वजह से आज बिहार पिछड़ा हुआ और अविकसित रखा गया है । बिहार के खनिज पदार्थ वहां पर इस्तेमाल न हो कर बाहर जाते हैं—हिन्दुस्तान के बाहर भी जाते हैं । बिहार की जनता को इस से फायदा नहीं हो रहा है । वहां पर जो कुछ भी उद्योग हैं, वे मोटे तौर पर बिहार के कोने में हैं । औद्योगीकरण की दृष्टि से सारा बिहार पिछड़ा हुआ और अविकसित है । कोयला और लोहा अर्थ व्यवस्था की रीढ़ है और बिहार उन का भंडार है । उन का भी फायदा सारी जनता को नहीं हो रहा है । इस संदर्भ में मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि परसेंटेज की टर्म्ज में और एब्सोल्यूट टर्म्ज में कितना कोयला और लोहा बिहार में मिलता है, उस में से कितना बिहार में इस्तेमाल होता है, कितना बिहार से बाहर हिन्दुस्तान के दूसरे भागों में होता है और कितना हिन्दुस्तान से बाहर होता है ।